बहुसंख्यक सनातन हिन्दू समाज के संवैधानिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा हेतु राष्ट्रव्यापी जनसमर्थन अभियान

भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को लोकतांत्रिक माध्यमों से अपनी बात रखने, जनमत तैयार करने तथा सरकार और संसद के समक्ष नीतिगत एवं विधायी परिवर्तन के प्रस्ताव रखने का अधिकार देता है।

राष्ट्रीय सनातन पार्टी, भारत निर्वाचन आयोग से पंजीकृत एक राजनीतिक दल होने के नाते, बहुसंख्यक सनातन हिन्दू समाज के संवैधानिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर जनसमर्थन प्राप्त करने हेतु "सनातन अधिकार आंदोलन" के अंतर्गत 5 करोड़ हस्ताक्षर अभियान प्रारम्भ कर रही है।

हम, भारत के हस्ताक्षरकर्ता नागरिक, भारत सरकार एवं भारत की संसद से लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से निम्नलिखित मांगों पर आवश्यक संवैधानिक संशोधन, विधायी सुधार एवं नीतिगत निर्णय करने का आग्रह करते हैं—

हमारी प्रमुख मांगें

1. संविधान के भाग–1, अनुच्छेद–1 में उपबंध 'क' जोड़ा जाए, जिसमें यह प्रावधान किया जाए कि—

"भारत एक सनातन राष्ट्र है और भारत का राज्य इस राष्ट्र की सेवा के लिए गठित सर्वोच्च राजनीतिक संस्था है।"

2. संविधान के अनुच्छेद–25 में उपबंध (3) जोड़ा जाए, जिसके अनुसार भारत के बहुसंख्यक सनातन समुदाय को अपने धर्म को अबाध रूप से मानने, उसका आचरण करने एवं प्रचार करने की स्वतंत्रता प्राप्त हो तथा राज्य बहुसंख्यक समाज की अनुमति के बिना उसके धार्मिक आचरणों पर प्रतिबंध न लगा सके। धार्मिक संस्थाओं के नियम बनाने का अधिकार संबंधित संस्थाओं को ही प्राप्त हो तथा असहमति रखने वाले लोगों को पृथक धार्मिक संस्थाएँ स्थापित करने की स्वतंत्रता हो।

3. संविधान के अनुच्छेद–28 एवं 30 में संशोधन कर बहुसंख्यक सनातन समाज को भी धार्मिक शिक्षा का समान अधिकार प्रदान किया जाए।

4. हिन्दू मंदिरों के प्रशासन एवं संपत्ति से संबंधित वर्तमान कानूनों की समीक्षा कर एक समान मंदिर अधिनियम बनाया जाए, जिसके अंतर्गत मंदिरों का प्रबंधन हिन्दू समाज को सौंपा जाए तथा उनकी आय एवं संपत्ति का उपयोग हिन्दू समाज के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण में किया जाए। प्रत्येक बड़े मंदिर के चढ़ावे से गुरुकुल, अन्नक्षेत्र, गौशाला संचालन की व्यवस्था हो तथा निर्धन सनातनी हिन्दू परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

5. पूजा स्थल अधिनियम, 1991 को निरस्त कर सनातन धर्म स्थल पुनर्स्थापना अधिनियम बनाया जाए, जिससे ऐतिहासिक रूप से विवादित महत्वपूर्ण हिन्दू मंदिरों के संबंध में वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार निर्णय लिया जा सके।

6. वक्फ अधिनियम को पूरी तरह समाप्त कर वक्फ संपत्तियों को सरकार द्वारा अधिग्रहीत किया जाए तथा उनका उपयोग शासकीय एवं सार्वजनिक हित में किया जाए।

7. ईसाई चर्चों को दी गई दीर्घकालीन (99 वर्ष) लीजों की समीक्षा की जाए तथा संविधान एवं प्रचलित कानूनों की व्यापक समीक्षा कर सनातन धर्म, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय हित के प्रतिकूल प्रावधानों को निरस्त अथवा संशोधित किया जाए।

8. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम, 1992 को पूर्णतः निरस्त किया जाए। बौद्ध, जैन एवं सिख भारतीय मत हैं तथा ईसाई एवं मुसलमान मतावलंबियों की जनसंख्या 2% से अधिक होने के कारण इनके अल्पसंख्यक विशेषाधिकारों को समाप्त करने हेतु आवश्यक संवैधानिक एवं विधायी संशोधन किए जाएँ तथा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का विधिक ढांचा समाप्त किया जाए।

9. अल्पसंख्यकों के कल्याण एवं सशक्तिकरण हेतु संचालित योजनाओं में यदि धार्मिक आधार पर पात्रता निर्धारित है, तो उसकी समीक्षा कर समानता के सिद्धांत के अनुरूप बहुसंख्यक हिन्दू समाज को भी समान अवसर प्रदान किए जाएँ।

10. जातिवाद को असंवैधानिक घोषित किया जाए, जाति प्रमाणपत्र व्यवस्था समाप्त की जाए तथा शासकीय महत्व के सभी अभिलेखों में जाति के उल्लेख पर प्रतिबंध लगाने हेतु आवश्यक संवैधानिक एवं विधायी प्रावधान किए जाएँ।

यदि आप मानते हैं कि इन विषयों पर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक प्रक्रिया के अनुसार विचार कर आवश्यक संवैधानिक संशोधन, विधायी सुधार एवं नीतिगत निर्णय किए जाएँ, तो आज ही अपना समर्थन दर्ज करें।

आपका एक हस्ताक्षर परिवर्तन की दिशा में एक कदम है।

यदि 5 करोड़ सनातनी एकजुट होकर अपनी बात रखेंगे, तो यह हिन्दू समाज की एक सशक्त लोकतांत्रिक आवाज बनेगी।

हस्ताक्षर विवरण						
क्र.सं.	**नाम**	**ग्राम/नगर**	**जिला**	**राज्य**	**फोन नंबर**	**हस्ताक्षर**
1.						
2.						
3.						
4.						
5.						
6.						
7.						
8.						
9.						
10.						
11.						
12.						
13.						
14.						
15.						
16.						
17.						
18.						
19.						
20.						
21.						
22.						
23.						
24.						
25.						

26.						
27.						
28.						
29.						
30.						
31.						
32.						
33.						
34.						
35.						
36.						
37.						
38.						
39.						
40.						
41.						
42.						
43.						
44.						
45.						
46.						
47.						
48.						
49.						
50.						

स्थानीय अभियान संयोजक / हस्ताक्षर संग्राहक नाम (सनातन वीर / सनातन वीरांगना): _____

मोबाइल नंबर: _____ ग्राम/नगर: _____ जिला: _____

राज्य: _____ पद (यदि कोई हो): _____